कैम्ब्रिज से लौटकर मंत्री पटवारी ने देवी अहिल्या विश्वविद्याल

इन्दौर।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री जीतू पटवारी आज कैम्ब्रिज से अध्ययन यात्रा उपरांत इंदौर लौटे। उन्होंने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर पहुँचकर तक्षशिला परिसर में आयोजित विद्यार्थियों से परिसंवाद कार्यक्रम में भाग लिया।

उन्होंने कैम्ब्रिज के अपने अनुभव साझा किए। साथ ही यहाँ विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले 8 जिलों से आए विद्यार्थियों के प्रश्नों को सुना और उनका प्रत्युत्तर दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति डॉक्टर रेणु जैन, आयुक्त उच्च शिक्षा श्री राघवेंद्र सिंह, पूर्व कुलपति डॉ. भरत छापरवाल सहित अन्य गणमान्य अतिथि और बड़ी संख्या में महाविद्यालयीन युवा उपस्थित थे।

मंत्री श्री पटवारी ने कहा कि युवा कभी भी जीवन में निराशा और नकारात्मक भाव नहीं लाएँ। जीवन में प्रगति सदैव सकारात्मक भाव रखने से ही होती है। कुलपति डॉक्टर रेणु जैन ने इस परिसंवाद कार्यक्रम को एक सार्थक प्रयास बताया और कहा कि इससे उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अधिक गतिशीलता आएगी। आयुक्त उच्च शिक्षा श्री राघवेंद्र सिंह ने मंत्री श्री जीतू पटवारी के साथ मिलकर विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के संतुष्टि पूर्ण प्रत्युत्तर दिए।

मंत्री श्री पटवारी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में कभी भी विपरीत परिस्थिति आने पर युवा वर्ग निराश नहीं हो। ईश्वर अगर एक दरवाजे बंद करता है तो दूसरे सौ दरवाजे भी खोल देता है। अपने श्रम पर भरोसा रखें और प्रयास जारी रखें।

विद्यार्थियों ने उनसे प्रत्येक महाविद्यालय में खेल अधिकारी का पद पूर्ति करने का अनुरोध किया। कस्तूरबा ग्राम की कविता आलासया ने मंत्री से यह प्रश्न किया कि युवाओं में संस्कारों की कमी क्यों होती जा रही है। राऊ की पार्वती ने पूछा कि सरकार शिक्षा को प्रायोगिक एवं रोजगार मूलक

य पहुंचकर किया विद्यार्थियों से संवाद

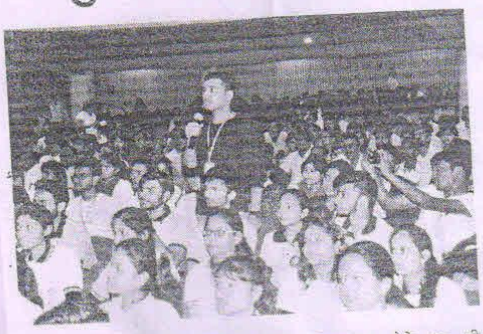

बनाने के लिए क्या कर रही है। राऊ की शिवानी पाटीदार और कला महाविद्यालय इंदौर के रवि ने मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता के संबंध में प्रश्न किया। हिमाशी कैथवास का प्रश्न था कि उच्च शिक्षा में प्रवेश की प्रक्रिया इतनी लंबी क्यों होती है। होम लोन और वाहन लोन की तुलना में शिक्षा ऋण पर ब्याज की अधिक दर होने पर भी विद्यार्थियों ने रोचक सवाल किए।

रितु पाटीदार का प्रश्न था कि टाइम्स मैगजीन की वैश्विक रैंकिंग में भारत या मध्य प्रदेश का कोई भी विश्वविद्यालय शामिल क्यों नहीं हो पाया है। होलकर साइंस कॉलेज की मोनिका सोनी ने महाविद्यालय की कैंटीन का स्तर सुधारने और पोषक हेल्दी फूड मिलने की ओर ध्यान आकृष्ट कराया गया। प्राध्यापक गणों की ओर से यह सवाल आया की ऑनलाइन और ऑफ़लाइन प्रवेश प्रक्रिया का वरिष्ठ अधिकारी एक बार पुनः परीक्षण करें। सुगनी देवी कॉलेज में विकास अवरोध दूर करने और शैक्षणिक परिसरों में धूम्रपान और व्यसन पर सख्ती से प्रतिबंध लगाने की ओर भी ध्यान आकृष्ट कराया गया। इंदौर के विद्यार्थी व्योम ने अंतरिक्ष विज्ञान को लेकर सरकार कि अधिक रुचि नहीं होने कि बात ध्यान में लाई। विद्यार्थियों ने एनएसएस के उत्थान कल्याण और बजट में वृद्धि की माँग भी की।